NBT PAGE 6

दूसरी यूनिवर्सिटी से भी कर सकेंगे पीजी का दूसरा साल

तैयार की जा रही अकैडमिक क्रेडिट बैंक के लिए पॉलिसी

■ शिवम अग्निहोत्री, लखनऊः एलयू में न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) लागू करने के लिए कमिटी का गठन किया गया है। ये कमिटी न्यू एजुकेशन पॉलिसी को अकैडमिक क्रेडिट वैंक वनाकर लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके वनने के वाद पीजी के स्टूडेंट्स की एक ही यूनिवर्सिटी से पीजी पूरा करने की वाध्यता समाप्त हो जाएगी। इसके लिए क्रेडिट स्कोर को आधार माना जाएगा।

न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत क्रेडिट बेस्ड कोर्स का खाका खीचने में लगा एलयू

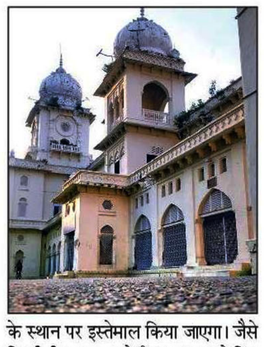

एलयू की एनईपी की अकैडमिक क्रेडिट वैंक कमिटी की चेयरमैन प्रो. अमिता वाजपेई ने वताया कि अव तक राज्य सरकार की ओर से न्यू एजुकेशन पॉलिसी को लागू करने के लिए कोई गाइडलाइन नहीं दी गई है। एलयू अपने स्तर पर कई चीजें प्लान कर रहा है। अगर वनाया गया प्रस्ताव सरकार को सही लगा तो आगे चलकर इसे लागू भी किया जा सकता है।

पीजी करने के नियमों में हो सकता है बदलाव

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वताया कि कई वार ऐसा होता है कि स्टूडेंट किसी यूनिवर्सिटी से पीजी कर रहा है। किसी कारण वश उसे दूसरे शहर में जाना पड़ रहा है तो उसका पीजी कोर्स नहीं हो पाता है। ऐसे में चॉइस वेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीवीसीएस) के तहत छात्र के केवल क्रेडिट काउंट किए जाएंगे। क्रेडिट को अंकों

के स्थान पर इस्तेमाल किया जाएगा। जैसे कि पीजी का एक कोर्स 96 या 98 क्रेडिट का हो सकता है। इसमें से अगर स्टूडेंट ने एक साल में परीक्षा देकर अपने 45 क्रेडिट पूरे कर लिए हैं तो वाकी के क्रेडिट वो दूसरी यूनिवर्सिटी से पूरे कर सकता है। ऐसे में उसका पीजी पूरा माना जाएगा। सवसे ज्यादा फायदा ट्रांसफरेवल नौकरी में रहने वाले अभिभावकों के वच्चों को होगा। साथ ही ऐसे अभिभावक जो सरकारी नौकरी कर रहे हैं और समय समय पर उनका अलग अलग जगह ट्रांसफर हो जाता है को इसका फायदा मिलेगा।

बनेगा क्रेडिट बैंक

चेयरमैन प्रो. अमिता वाजपेई ने वताया कि इस तरह की व्यवस्था के लिए एक तरह से क्रेडिट वैंक वनाया जाएगा, जहां हर स्टूडेंट के क्रेडिट जोड़े जाएंगे। इससे स्टूडेंट जहां जाएंगे वहां उनका क्रेडिट जुड़ता जाएगा। ऐसे में स्टूडेंट जिस भी यूनिवर्सिटी में जाएगा उसका क्रेडिट जोड़ा जा सकेगा। अकैडमिक क्रेडिट वैंक एक तरह की गवर्निंग वॉडी की तरह वनाया जा सकता है। इसमें छात्र जिस यूनिवर्सिटी से भी पीजी करेगा वहां का नाम न होकर उस गवर्निंग वॉडी या अकैडमिक क्रेडिट वैंक का नाम होगा। ऐसे में पीजी में यूनिवर्सिटी का नाम न होकर उस एकेडमिक क्रेडिट वैंक का नाम हो सकता है। डिग्री पर किस गर्वनिंग वॉडी का नाम होगा ये निर्णय वाद में होगा।

₹100 करोड़ से एलयू में बनेंगे दो अकैडमिक ब्लॉक

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में अकैडमिक सुधार के लिए दो अकैडमिक ब्लॉक वनाए जाएंगे। इसके लिए विवि प्रशासन ने करीव 100 करोड़ का वजट तैयार किया है। ये नए ब्लॉक एलयू के ओल्ड कैंपस में वनेंगे। इससे आगामी वर्षों में विवि के स्टूडेंट्स को पढ़ाई के लिए और अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

वता दें कि जिन अकैडमिक्स विल्डिंग्स को तैयार किया जाना है वह 20 हजार वर्ग फुट में वनेंगी। इसके लिए एलयू प्रशासन ने जगह चिह्नित कर ली है। एलयू प्रशासन के मुताविक न्यू लॉ विल्डिंग के पीछे इन दोनों भवनों का निर्माण किया जाएगा। हालांकि उस जगह

ओल्ड कैंपस में 20 हजार वर्गफुट में होगा निर्माण

पर एक पुरानी कोठी भी वनी हुई है, जो काफी जर्जर स्थिति में है और मरम्मत करवाने की दशा में भी नहीं है। एलयू के अधिकारियों की मानें तो उस कोठी को गिरा दिया जाएगा और उस जगह का इस्तेमाल इन विल्डिंगों में किया जाएगा। विवि के सूत्रों के मुताविक ये दोनों भवन काफी हाईटेक होंगे। इसमें आज के दौर की हाईटेक कंप्यूटर लैव होगी, लाइव रेकॉर्डिंग वाले लेक्चर रूम, रीडिंग रूम, कंप्यूटराइजड लाइब्रेरी व अन्य तमाम सुविधाएं स्टूडेंट्स के लिए होंगी।

बीपीएड प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय की बीपीएड प्रवेश परीक्षा के नतीजे शुक्रवार को घोषित कर दिए गए हैं। एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि मेरिट लिस्ट वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है। मेरिट लिस्ट में लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा के अंकों को शामिल किया गया है।

HINDUSTAN PAGE 6

रोजाना हनुमान सेतु मंदिर पर टेकते थे माथा

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल **कुछ यादें कुछ किस्से** 22

ऋतु सुहास

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

बीएससी की पढ़ाई के बाद मैंने लखनऊ विश्वविद्यालय में एलएलबी में दाखिला लिया। पहले दिन पहली क्लास लेने पहुंची। प्रोफेसर ने पढ़ाया तो बहुत अच्छा लेकिन यह मेरे सिर के ऊपर से निकल गया। मैंने खुद अपनी मर्जी से एलएलबी चुना था। ऐसे में पीछे मुड़कर देखना तो था नहीं। इसलिए पढ़ाई में जुट गई।

फ्रेंड के साथ ऑटो से रोजाना विश्वविद्यालय आती थी। पिताजी हाईकोर्ट में एडवोकेट थे। कभी-कभी ही ऐसा मौका आया जब उन्होंने खुद विश्वविद्यालय ड्रॉप किया। मैं रोजाना पहली क्लास को लेकर बहुत उत्साहित रहती थी। कक्षाएं पूरी होने के बाद जब बाहर निकलती तो हनुमान सेतु मंदिर में माथा टेके बिना आगे नहीं जाती। यह रोज का नियम था। मैं और मेरी फ्रेंड विश्वविद्यालय से पैदल ही हनुमान सेतु तक आते थे। वह दौर था तब न मोबाइल थे और न नेटवर्क। किताबें ही पढ़ाई का साधन थी। प्रोफेसर हो या सीनियर छात्र सबसे अच्छी अच्छी किताबों के बारे में जानकारी करती। फिर उन किताबों को खरीद कर पढ़ाई करती थी। उस दौर में विश्वविद्यालय में छात्र राजनीति काफी हावी रहती थी। अक्सर किसी न किसी बात पर हंगामा होता रहता था। छात्र नेता कक्षाएं बंद करा देते थे। अचानक कक्षाएं प्रभावित होने से निराशा होती थी। फिर भी परिसर में अच्छा लगता था। अपनी सर्किल में फ्रेंड के साथ जरूर कुछ मस्ती हो जाती थी। मेरी एक फ्रेंड थी किरन, उसके साथ अकसर हाथ में लाईया चना लेकर खाते हुए निकल पड़ते थे। परिसर में लैया चना खाते हुए चलने का जो आनंद था उसे सोच कर आज भी मन आनंदित होता है। उस समय शिक्षकों से परीक्षा से पहले इंपॉर्टेंट प्रश्न पूछने का बहुत क्रेज होता था। अक्सर प्रोफेसर को पकड़ लेते थे कि सर कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न बता दीजिए। भले ही यह परीक्षा में न आए लेकिन उनकी तैयारी बहुत अच्छे से करते थे। वर्ष 2002 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद मैंने तैयारी शुरू की। वैसे तो पहले से ही चल रही थी।

ऋतु सुहास, वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी, वर्तमान में लखनऊ विकास प्राधिकरण में संयुक्त सचिव के पद पर तैनात हैं।

एलयू: बीपीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

प्रमुख। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीपीएड प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। प्रवेश परीक्षा का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

छात्र अपने परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। रिजल्ट में वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध है। मेरिट लिस्ट में लिखित परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा के अंकों को भी शामिल किया गया है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने दी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : विभागीय स्तर के प्रवेश में नहीं रहेगा एकाधिकार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र से परास्नातक और पीएचडी पाठ्यक्रमों के दाखिले विभागीय स्तर पर होने के बावजूद उनका एकाधिकार नहीं होगा। असल में लविवि ने जो योजना तैयार की है, उसमें आवेदन विभाग के स्तर पर मांगे जाएंगे। मगर प्रवेश परीक्षा और मूल्यांकन किसी दूसरी संस्था से कराया जाएगा। इसके पीछे मंशा यह है कि विभागीय स्तर पर दाखिले होने से एक के पीछे बाकी के दाखिले भी पिछड़ जाते हैं। अन्य बॉडी को उसमें शामिल करने से एकाधिकार नहीं रहेगा।

लविवि में इस साल पहली बार केंद्रीकृत प्रवेश की व्यवस्था शुरू की गई है। इसके तहत एक ही आवेदन फॉर्म पर लविवि के साथ कॉलेजों में भी दाखिले का मौका उपलब्ध हुआ। यह व्यवस्था अनिवार्य नहीं थी और कॉलेजों को इसमें शामिल करने के लिए विकल्प दिया गया था। इस बार अभ्यर्थियों को उनकी रैंक और दिए गए विकल्प के आधार पर सीट आवंटित की गई है। अगले सत्र से केंद्रीकृत दाखिला प्रक्रिया ही होगी और परिसर के साथ ही कॉलेज में भी दाखिले एक ही कॉलेज से करने का मौका मिलेगा। बड़ा बदलाव यह होगा कि हर विभाग के स्तर पर आवेदन फॉर्म मांगे जाएंगे। इससे काम का बंटवारा हो जाएगा और प्रक्रिया में तेजी आएगी। इस व्यवस्था में सिर्फ एक नुकसान यह है कि विभाग स्तर पर दाखिले होने की वजह से मनमानी की आशंका रहेगी। इससे बचने के लिए कई स्तर शामिल किए जाएंगे।

प्रवेश परीक्षा और मूल्यांकन किसी दूसरी संस्था से कराया जाएगा

> **समाप्त होगी मनमानी की आशंका**
> दाखिला प्रक्रिया जल्द हो सके इसलिए विभागीय स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। इसमें पारदर्शिता और मनमानी की किसी आशंका को समाप्त करने के लिए कई अन्य बॉडीज को भी शामिल किया जाएगा। - प्रो. आलोक कुमार, कुलपति लविवि

प्रो. आरपी सिंह इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर

लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय में शुक्रवार को कई प्रशासनिक फेरबदल किए गए। अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीयन भाषा विभाग के प्रो. आरपी सिंह को इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर और डायरेक्टर इंटरनेशनल कोलैबोरेशन की नई जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में भी कई फेरबदल किए गए। इसके बाद डॉ. अलका मिश्रा को ओल्ड कैंपस और डॉक्टर राजीव सिंह को नए कैंपस का एडिशनल डीन स्टूडेंट वेलफेयर चुना गया है। इसके साथ ही ओल्ड कैंपस में डॉ. गीतांजलि मिश्रा, डॉ. अर्चना तिवारी, डॉ. शिखा चौहान, डॉ. चंडकी आर गौतम, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. संदीप कुमार मौर्य, डॉ. रविकांत पांडे को असिस्टेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर तथा डॉ. वरुण छात्र, डॉ. जीशान अली, डॉ. एसएमएस रिजवी, डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव, डॉ. शशि बाला, डॉ. रचना पाठक और डॉ. दीपक गुप्ता को न्यू कैम्पस का असिस्टेंट डीन स्टूडेंट वेलफेयर चुना गया है।

JAGRAN CITY PAGE III

यू-ट्यूब पर छाया अपना लविवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह पर लॉन्च की गई डॉक्यूमेंट्री यू-ट्यूब पर हिट हो गई है। लविवि के यू-ट्यूब चैनल पर ये डॉक्यूमेंट्री 77 हजार से अधिक व्यू की संख्या तक पहुंच रही है। यह विश्वविद्यालय के यू-ट्यूब चैनल पर देखा गया अब तक का सबसे हिट वीडियो है।

इस वृत्तचित्र को लविवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने बनाया है। इसमें प्रमुख भूमिका विभाग के एचओडी डॉ. मुकुल श्रीवास्तव की है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ने लविवि के 100वें स्थापना दिवस समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया था, उससे पहले इस डॉक्यूमेंट्री को लॉन्च किया गया था। इसको मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने लॉन्च किया था। ये डॉक्यूमेंट्री करीब 14 मिनट की है। इसमें विश्वविद्यालय के इतिहास, उपलब्धियां, खेल उपलब्धियां व कुलपति के संदेश का मिश्रण किया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि हमारा यू-ट्यूब चैनल भी अच्छा-खासा हिट हो चुका है। पिछले करीब 20 दिन में ही सब्सक्राइबर आठ हजार से बढ़कर करीब 13.50 हजार तक पहुंच चुके हैं। हमारी डॉक्यूमेंट्री को भी देश-विदेश में बहुत पसंद किया जा रहा है।

http://youtu.be/AxeghhCW{io लिंक पर जाकर इस डॉक्यूमेंट्री को देखकर केवल 13 मिनट में ही लविवि के पूरे इतिहास को समझा जा सकता है। ये बहुत ही ज्ञानवर्धक है।

PIONEER PAGE 3

लविवि का होगा एकेडमिक विस्तार, बनेंगे दो नए ब्लॉक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने एकेडमिक विस्तार की तैयारी में है। इसके लिए मुख्य परिसर स्थित न्यू ला बिल्डिंग के पीछे खाली जगह पर इसे मूर्त रूप देने की योजना विवि प्रशासन ने तैयार की है। इस पर कुल 100 करोड़ रुपये खर्च होने के अनुमान है। एकेडमिक ब्लाक को 20 हजार स्क्वायर फिट में बनाया जाएगा। एलयू प्रशासन के मुताबिक न्यू लॉ बिल्डिंग के पीछे इन दोनों भवनों का निर्माण किया जाएगा। हालांकि उस जगह पर एक पुरानी कोठी भी बनी हुई है जो काफी जर्जर स्थिति में है और मरम्मत कराने की दशा में भी नहीं है। फिलहाल उसमें अभी एक शिक्षिका निवास कर रही हैं। एलयू के अधिकारियों की मानें तो उस कोठी को गिरा दिया जाएगा और उस जगह का इस्तेमाल इन बिल्डिंगों में किया जाएगा।

THE PIONEER PAGE 3

5-member task force to work on PM's suggestions for LU

PNS ■ LUCKNOW

Vice-Chancellor of Lucknow University Prof AK Rai said on Friday that they have constituted a 5-member task force to implement what Prime Minister Narendra Modi had suggested while speaking at the centennial celebrations. The task force will present its report in three months. The committee is headed by Prof Naveen Khare from Chemistry department.

"We have identified a broad agenda as to what will be the contribution of Lucknow University to the society, to higher education and where we see ourselves in 2047. These things were discussed by the PM while addressing the centenary year programme," he said. The VC said that the task force has been told that they can always hold workshops for fine-tuning the initiatives that LU is working on before submitting a preliminary report. He said he told the committee that it should be a clear-minded initiative without any prejudices, which means that the panel members should not try to conclude on their own but talk to all stakeholders.

On whether the contribution of the university will only be in the area of education, Rai said there are several ways in which contributions can be made. "We developed our own learning management system and now the government is asking all the state universities to develop a similar system. This is our contribution to transformation of higher education ecosystem. Tomorrow we may sell it since we already have a copyright," he said, adding that the task force will deliberate on the agenda and come up with a proposal.

While addressing the university virtually on the occasion of its Foundation Day, Modi had said that the celebrations should not be limited to only 100 years but there should be a road map of 25 years when India celebrates 100 years of freedom. He had also said that it should become a part of LU's attitude that it would contribute to nation-building in a certain way.

VISHWAVARTA PAGE 5

लविवि : एकेडमिक टॉवर के लिए पीएम से बजट की गुहार

पुराने परिसर में बनने वाले दोनों एकेडमिक ब्लॉकों में से एक में स्नातक और दूसरे में स्नातकोत्तर कोर्सों की क्लास चलेंगी

» विश्वविद्यालय ने दोनों टॉवर करीब 100 करोड़ की लागत से बनाने की योजना बनाई

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए हाईटेक सुविधा वाले दो एकेडमिक टॉवरों के निर्माण के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्यमंत्री और राज्यपाल से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक गुहार लगाई है। दोनों ही टॉवर करीब 100 करोड़ की लागत बनाने की योजना विश्वविद्यालय ने बनाई है। पुराने परिसर में बनने वाले दोनों एकेडमिक ब्लॉकों में से एक में स्नातक और दूसरे में स्नातकोत्तर कोर्सों की क्लास चलेंगी।

20 हजार स्क्वॉयर फीट पर बनेंगे दोनों ब्लॉक

दोनों ही एकेडमिक ब्लॉक 20 हजार स्क्वॉयर फीट पर बनेंगी। इसके लिए लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने जगह भी चिन्हित कर ली है। विवि प्रशासन के अनुसार न्यू लॉ बिल्डिंग के पीछ इन दोनो ब्लॉकों का निर्माण किया जाएगा। हालांकि उस जगह पर एक पुरानी कोठी भी बनी है, जो जर्जर हालत में है। वह मरम्मत कराने की दशा में भी नहीं है। फिलहाल उसमें अभी एक शिक्षिका निवास कर रही हैं। लविवि के अधिकारियों की माने तो उस कोठी को गिरा दिया जाएगा और उसकी जगह पर दोनों एकेडमिक ब्लॉकों का निर्माण किया जाएगा।

विवि के सूत्रों का कहना है कि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की एकेडमिक सुधारों की कड़ी का ही यह हिस्सा है। यह दोनों नए एकेडमिक ब्लॉक लखनऊ विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में ही बनेंगे। इसके लिए न्यू लॉ बिल्डिंग के पीछे की जमीन चिन्हित की गई है। एकेडमिक ब्लॉक बनाने का प्रस्ताव और उसकी अनुमानित लागत का पूरा विवरण विश्वविद्यालय प्रशासन ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और विवि की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल,मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ सहित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यालय एवं केन्द्रीय शिक्षा विभागा को भेजा है। सूत्रों का कहना है कि ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि उसकी योजना के लिए कहीं से भी बजट मिल जाए। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद भी है कि वित्तीय वर्ष खत्म होने के पहले तक बजट का कुछ ना कुछ धनराशि मिल जाएंगी।

लविवि के सूत्रों का कहना है कि दोनों ब्लॉक काफी हाइटेक बनाए जाएंगे। इसमें वर्तमान समय की हाइटेक कंप्यूटर लैब की सुविधा विद्यार्थियो को मिलेगी। साथ ही लाइव रिकॉर्डिंग वाले लैक्चर रूम, रिडिंग रूम, कंप्यूटराइजड लाइब्रेरी(जिसमे विद्यार्थी कंप्यूटर पर किताबे पढ़ सकेंगे) सहित अन्य तमाम आधुनिक सुविधाएं होंगी, जो अभी विद्यार्थियों को नहीं मिली रही हैं।